भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 1695
गुरुवार, 1 अगस्त, 2024/10 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

प्रचालनशील विमानपत्तन

1695. श्री रविंद्र दत्ताराम वाइकरः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या यह सच है कि देश के विभिन्न भागों में भारी निवेश से निर्मित किए गए विमानपत्तन अभी तक पूर्णतः प्रचालनशील नहीं हुए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या यह भी सच है कि महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न जिलों में कई विमानपत्तन ऐसे हैं जहां से आज भी एक भी विमान उड़ान नहीं भर रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या यह भी सच है कि इस प्रयोजनार्थ उड़ान योजना शुरू किए जाने के बावजूद इन विमानपत्तनों को प्रचालनशील नहीं बनाया जा सका है और यदि हां, तो इसके राज्य-वार क्या कारण हैं; और
(घ) सरकार की इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा भारी निवेश से निर्मित कोई भी हवाईअड्डा अप्रचालित नहीं है।

(ग) और (घ): देश में असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों से क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए सरकार ने क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस - उड़ान) शुरू की है। आरसीएस-उड़ान एक माँग आधारित योजना है, जिसमें एयरलाइन प्रचालक किसी विशेष मार्ग पर परिचालन की व्यवहार्यता का आंकलन करते हैं और समय-समय पर बोली लगाते हैं। असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार/उन्नयन वैध बोली प्रक्रिया के माध्यम से उनकी पहचान करने और चयनित एयरलाइन प्रचालक (एसएओ) को अवॉर्ड करने के बाद किया जाता है। आज तक, 'उड़ान' योजना के तहत 13 हेलीपोर्टों और 2 वाटर एयरोड्रोमों सहित 85 हवाईअड्डों को कार्यशील किया जा चुका है।
मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरसन के साथ भारतीय घरेलू विमानन पूरी तरह से विनियमन मुक्त हो गया है। एयरलाइनें किसी भी विमान प्रकार के साथ क्षमता बढ़ाने और किसी भी बाजार और नेटवर्क को सेवा हेतु चुनने के लिए स्वतंत्र हैं और सरकार द्वारा जारी किए गए मार्ग संवितरण दिशा-निर्देशों (आरडीजी) के अनुपालन और डीजीसीए से अनुसूची के अनुमोदन के बाद परिचालन करती हैं। इसलिए, अपनी परिचालन और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर देश

के किसी भी शहर से/के लिए हवाई सेवाओं की शुरूआत करना एयरलाइन प्रचालक पर निर्भर करता है।

*****